SAFE VILLAGES INITIATIVE BY AARAMBH ON CHILD LABOUR AND CHILD MARRIGE

Weak Economic Condition is the main cause of child labour in agriculture sector together with limited access to quality education, inadequate agricultural technology and access to child - Adolescents labour and traditional attitudes towards children's participation in agricultural activities.

Children are most often involved in child labour because their parents or guardians consider it 'normal' for children to work, and sometimes for children's own survival and that of their families. Aarambh is working closely in 14 villages of Sonkatch Block of Dewas District to understand the plight of children working along with their parents from the perspective of the children, families and communities at large. We have been succeed in enrolling more than 100 non school going children who are going for work along with their parents to nearby Government schools.

Different Community Awareness activities with a community Led Approaches for creating models in 14 Villages with an aim to declare these villages safe villages with Child Labour and Early Child Marriage become a high priority mission of AARAMBH.

सांध्य दैनिक **माटी की महिमा**

उज्जैन, रविवार 02 फरवरी 2025 5

बाल विवाह, बालश्रम रोकथाम एवं बच्चों के अधिकार आदि विषयों पर नुक्कड नाटक कर किया जागरूक

माटी की महिमा न्यूज़/देवास

जिले की [illegible] तहसील के ग्राम [illegible] में संस्था आरंभ द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिसमें भोपाल से आई [illegible] टीम ने प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से बाल विवाह, बाल श्रम की रोकथाम एवं बच्चों के अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाई। आरंभ संस्था, जो पिछले 33 वर्षों से बच्चों के अधिकारों के लिए कार्य कर रही है, आरंभ संस्था राष्ट्रीय स्तर पर बाल अधिकार संस्था के रूप में भी जानी जाती है। इस आयोजन के अंतर्गत कलाकारों ने नाटकों के जरिए ग्रामीणों को बच्चों के अधिकारों और उनकी शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। ग्रामीणों ने इस कार्य म की सराहना करते हुए इसे बेहद प्रभावी बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करते हैं। आयोजन के अंत में उपस्थित लगभग 150 लोगों ने बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने और बाल श्रम तथा बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को रोकने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्था सुपरवाइजर [illegible] प्रजापति, [illegible] [illegible], [illegible] एवं [illegible] [illegible] [illegible] उपस्थित थे।

खाटू श्याम का अंत: वस्त्र किसी वरदान से कम नहीं- श्याम शर्मा

बजट ऐतिहासिक व जनता को खुश करने वाला -जिलाध्यक्ष सेंधव

सच कहने का साहस और सटीकता

राज एक्सप्रेस

बाल विवाह, बालश्रम रोकथाम एवं बच्चों के अधिकार आदि विषयों पर नुक्कड़ नाटक कर किया जागरूक

देवास। जिले की हाटपीपल्या तहसील के ग्राम डहरिया साहू में संस्था आरंभ द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिसमें भोपाल से आई मयार टीम ने प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से बाल विवाह, बाल श्रम की रोकथाम एवं बच्चों के अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाई। आरंभ संस्थाए जो पिछले 33 वर्षों से बच्चों के अधिकारों के लिए कार्य कर रही है, आराम संस्था राष्ट्रीय स्तर पर बाल अधिकार संस्था के रूप में भी जानी जाती है। इस आयोजन के अंतर्गत कलाकारों ने नाटकों के जरिए ग्रामीणों को बच्चों के अधिकारों और उनकी शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। ग्रामीणों ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे बेहद प्रभावी बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करते हैं। आयोजन के अंत में उपस्थित लगभग 150 लोगों ने बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने और बाल श्रम तथा बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को रोकने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्था सुपरवाइजर मनीषा प्रजापति, राकेश बागनिया, मधुसूदन एवं काउंसलर अनामिका वैष्णव उपस्थित थे।

- Anup Kishore Sahay,

- Rita Rani Bohidar